माला में 108 दाने क्यो ?

108 की संख्या के पीछे यह रहस्य है कि इसके द्वारा जीव सांसारिक वस्तुओं की प्राप्ति, ईश्वर के दर्शन और ब्रह्म तत्व की अनुभूति– जो भी चाहे कर सकता है। हमारी सांसो की संख्या के आधार पर 108 दानों की माला स्वीकृत की गई है। 24 घण्टो में एक व्यक्ति 21600 बार सांस लेता है। यदि 12 घण्टे दिनचर्या में निकल जाते हैं तो शेष 12 घण्टे देव–आराधना के लिए बचते हैं। अर्थात 10800 सांसो का उपयोग अपने इष्टदेव के स्मरण के लिए करना चाहिए। लेकिन इतना समय देना हर किसी के लिए संभव नहीं होता। इसलिए इस संख्या में से अंतिम दो शून्य हटाकर शेष 108 सांस में ही प्रभु स्मरण की मान्यता प्रदान की गई है।

★★★